RNI-RAJBIL/2009/32418

Volume : 5, Issue : 2, July-December 2013

Samvahini

Half Yearly Newsletter | Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun

www.jvbi.ac.in

जैन विश्वभारती संस्थान की ओर से डॉ. अनिल धर, कुलसचिव, जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित तथा गिरधर ऑफसेट प्रिण्टर्स, लाडनूँ में मुद्रित एवं जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ (राजस्थान) में प्रकाशित ।सम्पादक-नेपाल चन्द गंग

Jain Vishva Bharati Institute

(Declared as Deemed-to-be University Under Section 3 of the UGC Act, 1956)

in association with

Terapanth Professional Forum

Presents

Spiritual Training Programme

(Online Certification Courses)

Basics of Jain Philosophy & Preksha Meditation

- The courses are available in the form of online video lectures.
- One video lecture of 60 -80 minutes duration (divided in to three to four parts) will be available per week.
- Self-assessment quizzes will also be conducted online.
- Discussion forums and FAQs (Frequently asked Questions) can be used to effectively learn the concepts.

Visit : www.tpf.org.in

C.S. / C.A. बनने का स्वर्णिम अवसर

कॉमर्स विषय के विद्यार्थियों के लिए
पहली बार दिल्ली के
प्रतिष्ठित विद्वानों के द्वारा
सैटेलाइट के माध्यम से
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ में
उच्च स्तरीय कक्षाओं की सुविधा प्रारम्भ।

सैटेलाईट शिक्षण के साथ-साथ
सप्ताहान्त में परामर्श हेतु शिक्षक सुविधा

सौजन्य : एस.एम. नाहटा फाउण्डेशन, कोलकाता

jvbiladnun@gmail.com

www.jvbi.ac.in

छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा

सम्पर्क सूत्र : कमल कुमार मोदी (कोर्डिनेटर) 9785018090

Samvahini

वर्ष-5, अंक-2
जुलाई-दिसम्बर, 2013
जैन विश्वभारती संस्थान
(अर्द्धवार्षिक समाचार पत्र)

संरक्षक
समणी चारित्रप्रज्ञा
कुलपति

सम्पादक
नेपाल चन्द गंग

कम्प्यूटर एण्ड डिजाईन
पवन सैन

कार्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूँ - 341306
नागौर, राजस्थान
दूरभाष : (01581) 226110 226230
फैक्स : (01581) 227472
E-mail : jvbiladnun@gmail.com
Website : www.jvbi.ac.in

सम्पादकीय

अनुशास्ता का संस्थान में पदार्पण

यह सुसंयोग है कि इस वर्ष अनुशास्ता का संस्थान में पदार्पण एवं NAAC द्वारा संस्थान को 'A' ग्रेड प्रदान करना संस्थान के भावी विकास का शुभ संकेत दे रहा है।

अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण का जैन विश्वभारती में वर्ष 2013 के चातुर्मास हेतु आगमन संस्थान के विकास की दृष्टि से अत्यधिक प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक रहा। चातुर्मास के दौरान अनुशास्ता ने स्वयं संस्थान के सभी शैक्षणिक, प्रशासनिक विभागों का गहनता से अवलोकन किया। सभी शैक्षणिक विभागों की अलग-अलग बैठक ली। सम्पूर्ण संस्थान एवं विभागों के आगामी विकास की दृष्टि से मार्गदर्शन दिया।

12 नवम्बर को आयोजित संस्थान के 7वें दीक्षान्त समारोह में अनुशास्ता का सान्निध्य एवं केन्द्रिय मानव संसाधन विकास मंत्री भारत सरकार डॉ. एम. मंगापति पल्लम राजू की उपस्थिति बहुत ही महत्वपूर्ण एवं उत्साहवर्धक रही।

माननीया कुलपति ने देश के विभिन्न भागों में आयोजित संगोष्ठियों, कार्यक्रमों में अपने विचारों से अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करायी।

चातुर्मास के दौरान देश-विदेश से आने वाले लोगों ने बड़ी संख्या में संस्थान की गतिविधियों का नजदीक से अवलोकन किया एवं संस्थान के पाठ्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना की दिशा में बढ़ते इस संस्थान को मानवीय मूल्यों के विकास का उत्कृष्ट संस्थान बताया।

चातुर्मास की अवधि में संस्थान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय सेमिनारों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों में अनुशास्ता के सान्निध्य ने संस्थान सदस्यों एवं संभागियों में एक नई ऊर्जा का संचार किया। अनुशास्ता का सान्निध्य पा संस्थान द्रुतगति से विकास की नई ऊंचाईयों को छुएगा, ऐसा विश्वास है।

– नेपाल चन्द्र गंग

7th Convocation
12th November, 2013

जैविभा संस्थान का 7 वाँ दीक्षान्त समारोह

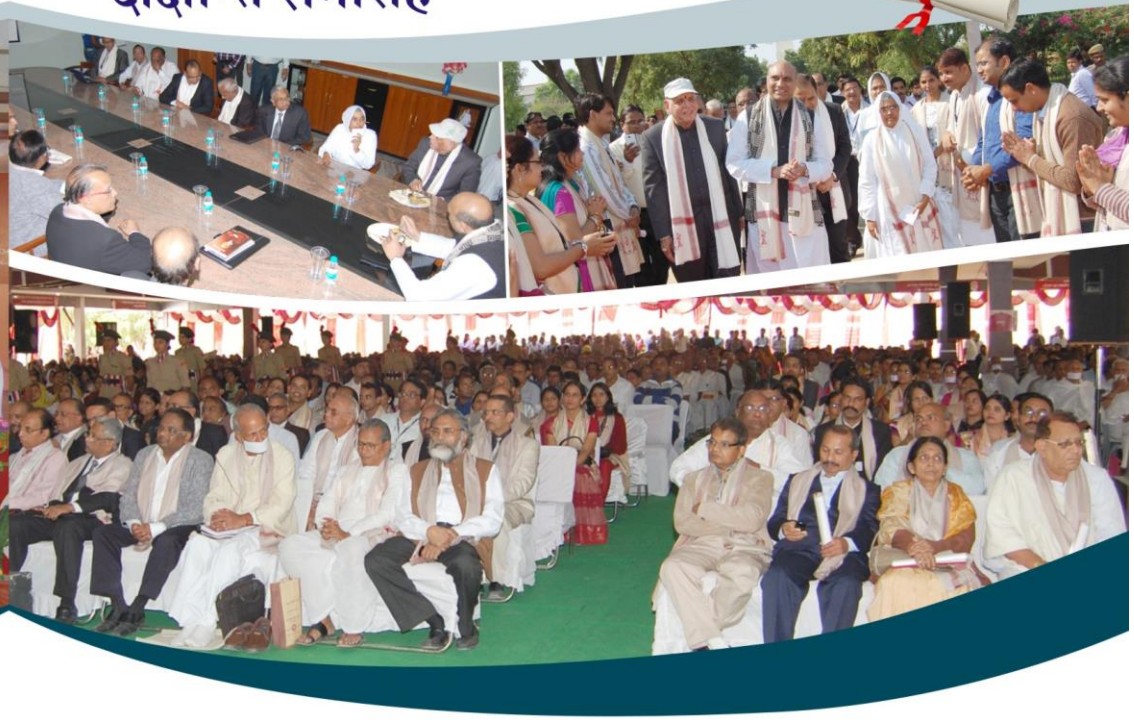

मूल्य परक शिक्षा का विशिष्ट संस्थान है जैविभा संस्थान- पल्लम राजू

संस्थान का 7 वाँ दीक्षान्त समारोह अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में सुधर्मा सभा में 12 नवम्बर, 2013 को आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार डॉ. एम. मंगापति पल्लम राजू ने दीक्षान्त भाषण देते हुए कहा कि जैन विश्वभारती संस्थान मूल्यों की शिक्षा देने वाला देश का उत्कृष्ट संस्थान है। वर्तमान में नैतिक एवं मानवीय मूल्यों से प्रेरित शिक्षा की परम आवश्यकता है। डॉ. राजू ने इस संस्थान को विशिष्ट संस्थान बताते हुए यहां दी जाने वाली शिक्षा को जीवनोपयोगी बताया। उन्होंने संस्थान को भारत सरकार द्वारा हर संभव सहयोग देने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने संस्थान में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि देश एवं समाज की भलाई के लिए शिक्षा में नैतिक मूल्यों का समावेश होना जरूरी है। समारोह को सान्निध्य प्रदान करते हुए अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि ज्ञान के साथ-साथ निष्पति आनी चाहिए। आचरण को ज्ञान का सार बताते हुए आचार्यश्री ने उपस्थित विद्यार्थियों को 'सिक्खापदम' का संकल्प दिलाया। समारोह के विशिष्ट अतिथि समाजसेवी श्री प्रकाश जैन, संस्थान के कुलाधिपति श्री बसंतराज भंडारी और जैन विश्वभारती के अध्यक्ष श्री ताराचन्द रामपुरिया ने भी उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित किया। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने संस्थान का परिचय देते हुए संस्थान को आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व निर्माण का केन्द्र बताया। कुलाधिपति श्री बसंत राज भंडारी एवं कुलपति ने विद्यार्थियों को उपाधियाँ वितरित की। संस्थान के कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने बताया कि 7वें दीक्षान्त समारोह में 60 पीएच.डी., 4 एम.फिल, 36 गोल्ड मैडल एवं 370 स्नातकोत्तर एवं स्नातक के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी। प्रो. दामोदर शास्त्री, डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत, डॉ. अनिल धर, डॉ. बी.एल. जैन, प्रो. रेखा तिवारी, डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने अपने-अपने विभाग के विद्यार्थियों को उपाधि वितरण करवाया। अतिथियों का स्वागत प्रो. बच्छराज दूगड़ एवं डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया। इससे पूर्व संस्थान के प्रांगण से कार्यक्रम स्थल तक संस्थान के शिष्ट मंडल, प्रबन्ध मंडल, योजना समिति, शिक्षा परिषद एवं शैक्षणिक सदस्यों ने प्रोशेसन के रूप में भाग लिया। डॉ. पल्लम राजू ने दीक्षान्त समारोह से पूर्व संस्थान का अवलोकन किया तथा संस्थान की गतिविधियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

ऑनलाईन ई-लर्निंग सॉफ्टवेयर का उद्घाटन

मुख्य अतिथि डॉ. एम. मंगापति पल्लम राजू ने इस अवसर पर संस्थान के ऑन लाइन ई-लर्निंग सॉफ्टवेयर का बटन दबाकर उद्घाटन किया। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से देश-विदेश के विद्यार्थी घर बैठे अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकेंगे।

Mahadev Lal Saraogi
Anekant Shodhpeeth

International Summer School

Understanding Jainism Programme

A 21 days International Summer School of **'Understanding Jainism'** was organized for International students from July 23, to August 12, 2013. The Understanding Jainism Programme organized by Mahadev Lal Saraogi Anekant Shodhpeeth, Jain Vishva Bharati Institute is an intensive course emphasizing on Jain Philosophy, Ethics, Nonviolence, and Meditation etc. The programme was interdisciplinary in the nature, aiming at to facilitate the condensed and in-depth knowledge in twenty one days schedule time encompassing the total hours needed for any three month certificate course. Formulated as per credit system.

On 23rd July students were welcomed and introduced in the inaugural session. Three separate sessions on Jainism, Science of Living, Preksha Meditation and Yoga and Nonviolence and Peace were organized everyday from 9 to 12 am.

After the completion of academic session special classes were offered for **Hindi and Prakrit** Language. The students were benefited by the expertise of the faculty members of University and other scholars.

Special Activities of the Program

Besides academic program students had additional visits to wild life sanctuary, places of archeological and historical importance near to Ladnun, trekking Dungar Balaji and meetings and interaction with spiritual personalities like His holiness Acharya Mahashraman, Sadhvi Pramukha Kanakprabha and monks, nuns and samanis, Visit to temples, schools and many other cultural activities were appreciated and enjoyed by the participants.

This year 8 students participated in this program. Four of them were from Florida International University, Miami, One student was from Boston, USA, two students were from Israel and one from Raipur (India). Among five from USA, Hod was Graduate while Mirna, Stephaney, Consolio, and Lydia were Undergraduate students.

All the participants were enthusiastic, creative and good learners to understand indian, culture and value Specific with jain philosophy. Study meterials were facilitated to them. They spent hours in library to write their assignment and research papers.

All the students did great effort and earned good grades. On 11the August, students shared their experiences and were awarded certificates.

Students left with smiling faces, appreciating JVBI for this great opportuning of learning.

Participant's Comments

Hod was overwhelmed by the programme. He says that the faculties and staff have been extremely helpful and accommodating.

Lydia expressed her views by saying "The class topics were interesting. The Faculties were extremely helpful, always making we were comfortable and healthy. The meditation in the morning was also excellent.

Kritika says "I enjoyed meditation and Prakrit class very much". She suggested to organise long session or more sessions for meditation.

Mirna said, "I am not good in learning about religion and philosophy but I enjoyed here in understanding indian philosophy. Environment is very loving and peaceful.

Cornswallio enjoyed the meeting with monks and nuns. She found very interesting to know about the concept of Santhara (Fast unto death) and also the feelings of nun who was practicing such penance.

Stephaney said "I found all the classes very interesting and informative."

8वीं अन्तर्राष्ट्रीय रिलेटिव इकॉनोमिक्स कॉन्फ्रेन्स

जैन विश्वभारती संस्थान एवं इन्टरनेशनल रिसर्च इन्स्टीच्यूट ऑफ रिलेटिव इकॉनोमिक्स संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय रिलेटिव इकॉनोमिक्स अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्स जैन विश्वभारती संस्थान के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में 21 व 22 सितम्बर को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के राज्यपाल डॉ. बी.एल. जोशी ने अपने संबोधन में आचार्य महाप्रज्ञ के सापेक्ष अर्थशास्त्र का उल्लेख करते हुए कहा कि शान्तिपूर्ण विकास के लिए मानवता, नैतिकता और विज्ञान को समझना होगा तभी अर्थशास्त्र की व्याख्या संभव है। उन्होंने बढ़ रही बेरोजगारी की समस्या पर ध्यान आकर्षित करते हुए सापेक्ष अर्थशास्त्र को समाधान बताया। आचार्य महाश्रमण ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि सापेक्ष अर्थशास्त्र के लिए तीन बातें आवश्यक हैं- नैतिकता, संयम और अनुकम्पा। इनकी साधना ही सापेक्ष अर्थशास्त्र का विकास करने में सक्षम है। मंत्री मुनि श्री सुमेरमल लाडनूं, प्रो. श्री मुनि महेन्द्र कुमार, मुनि श्री अक्षय प्रकाश, श्री सुरेन्द्र घोषल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन श्री बजरंग जैन ने किया। द्वितीय सत्र में 'द न्यू कन्सेप्ट ऑफ बैलेंस्ड डवलपमेन्ट विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय विद्वानों ने व्याख्यान दिए। इस कॉन्फ्रेन्स में प्रो. दयानन्द भार्गव, प्रो. एस.के. भण्डारी, प्रो. अशोक बाफना, प्रो. बी.एल. प्रजापत, प्रो. लोकेश शेखावत, प्रो. आर.एस. शर्मा, प्रो. सी.एस. भारलस, प्रो. एन.के. जैन, प्रो. मदन प्रजापति, प्रो. सी.एस. चुड़ावत, प्रो. एस. पी. सिंह, प्रो. सी.एम. जैन, भारत सरकार के आर्थिक सलाहकार प्रो. ए.एस. चारण, प्रो. राधेश्याम शर्मा आदि अनेक विद्वान, अर्थशास्त्री, शिक्षाशास्त्री ने अपने विचार व्यक्त किए। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने सापेक्ष अर्थशास्त्र के लिए भौतिक एवं आर्थिक विकास के साथ-साथ नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास को आवश्यक बताया। चैन्नई के संत चतुर्वेदी स्वामी महाराज ने इच्छा के अल्पीकरण को सापेक्ष अर्थशास्त्र के लिए आवश्यक बताया। दो दिन चले इस कॉन्फ्रेन्स के विभिन्न सत्रों में सापेक्षिक अर्थशास्त्र की आवश्यकता, महत्ता एवं उपयोगिता पर विद्वानों द्वारा विस्तृत चर्चा की गई।

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

जीवन विज्ञान
प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग

ध्यान, योग एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति पर सेमिनार

संस्थान के जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के तत्वावधान में 'ध्यान योग एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति' विषयक त्रिदिवसीय सेमिनार 15 से 17 अक्टूबर तक माहेश्वरी सेवा सदन जसवन्तगढ़ में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के पूर्व कुलपति एवं काय चिकित्सा के विख्यात चिकित्सक प्रो. आर.एच. सिंह ने उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि रोगों के समुचित ईलाज के लिए भारत में विविध पद्धतियां प्रचलित हैं, जिनके माध्यम से चिकित्सा की जा सकती है। देश में पारम्परिक चिकित्सा का अपना इतिहास रहा है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि आचार्य तुलसी एवं आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा स्वस्थ समाज के निर्माण में दिए गए अवदान भारतीय संस्कृति के अमूल्य धरोहर हैं। समारोह के विशिष्ट अतिथि मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान नई दिल्ली के निदेशक प्रो. वाई. वासप्पा रेड्डी ने ध्यान योग एवं यौगिक क्रियाओं के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के प्रो. ईश्वर भारद्वाज ने प्राकृतिक चिकित्सा को जीवन के लिए उपयोगी बताया। सेमिनार के निदेशक जीवन विज्ञान, प्रेक्षा ध्यान एवं योग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने सभी का स्वागत करते हुए संस्थान द्वारा योग क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। 17 अक्टूबर को समापन कार्यक्रम न्यूरोलॉजिस्ट डा.पी.सी. संचेती की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि नई दिल्ली के चिकित्सक एवं सरल जीवन के सम्पादक डॉ. मधु गुप्ता शास्त्री ने कहा कि तनाव मुक्ति के लिए ध्यान एक महत्वपूर्ण औषधि है। डॉ. संचेती ने संभागी चिकित्सकों को इस ओर शोध कार्य से जुड़ने एवं शोध कार्यों को प्रकाश में लाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि जाम नगर गुजरात के आयुर्वेद विश्वविद्यालय के प्रो. अर्पण भट्ट ने प्राकृतिक चिकित्सा को जीवन में अपनाने पर बल दिया। तीन दिन चले इस सेमिनार के विभिन्न सत्रों में कैवल्यधाम लोनावाला के प्रो. बी.आर. शर्मा, रेकी एक्सपर्ट डॉ. एन.के. शर्मा, देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के डॉ. कामख्या कुमार, श्रीमती विजया मिश्रा, वैद्य श्री तिलोकचन्द मिश्रा, ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय की डॉ. सुप्रभा दीदी, हरियाणा प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र के निदेशक डॉ. मदन मानव, डॉ. बिन्दू चौधरी, दिल्ली के डॉ. राजेश भयाना, गुजरात के श्री के.एम. पटेल आदि सौ से अधिक विद्वानों ने भाग लिया तथा संस्थान के संकाय प्राध्यापकों ने भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। सेमिनार के विभिन्न सत्रों में प्रेक्षाध्यान, विपश्यना, भावातीत ध्यान, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, रेकी, मर्म चिकित्सा, प्राणचिकित्सा आदि विषयों के दार्शनिक एवं वैज्ञानिक पक्ष पर पत्रों का वाचन किया गया। इस अवसर पर ध्यान एवं योग विषयक सीडी का विमोचन भी किया गया। संभागी विद्वानों ने सुधर्मा सभा में विराजित संस्थान के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण से चिकित्सा की विविध पद्धतियों पर चर्चा की।

अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

वैश्वीकरण एवं अंग्रेजी शिक्षण

संस्थान के अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में 19-20 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 'वैश्वीकरण एवं अंग्रेजी शिक्षण' विषय पर आयोजित किया गया। उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित इम्पावर्ड कमिटी के अध्यक्ष श्री जस्टिस विनोद शंकर दवे ने संभागियों को सम्बोधित करते हुए वर्तमान समय में अंग्रेजी ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता सी.आई.एफ.एल. के पूर्व प्रोफेसर एवं संस्थान के एमरेटस प्रोफेसर एन. कृष्णा स्वामी ने ग्लोबल एवं अन्तर्राष्ट्रीय शब्दों के अर्थ को स्पष्ट करते हुए अंग्रेजी के ज्ञान को महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि आबूधाबी के पेट्रोलियम इन्स्टीच्यूट के प्रो. रोजर नन थे। कार्यक्रम की अध्यक्ष कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने शिक्षा के स्वरूप की चर्चा करते हुए अंग्रेजी भाषा की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष एवं कॉन्फ्रेंस की निदेशक प्रो. रेखा तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कॉन्फ्रेंस की रूप रेखा प्रस्तुत की। कान्फ्रेंस के ऑर्गनाईजिंग सेकेट्री संजय गोयल ने भी संभागियों को सम्बोधित किया।

समापन समारोह की अध्यक्षता बस्तर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन.डी.आर. चन्दा ने की। कान्फ्रेंस में लगभग 150 विद्वानों ने भाग लिया। कान्फ्रेंस में थाईलेण्ड के धीरावित पिलोनाथागन, डॉ. बी.एस. वाल्के, ललिता कृष्णा स्वामी, निर्मल सेल्वामोनी, डॉ. एस.के. अग्रवाल (बीकानेर), डॉ. कल्पना पुरोहित (जोधपुर), डॉ. जेड.एन. पाटिल (हैदराबाद), डॉ. दिव्या जोशी, डॉ. सोनू शिबा, डॉ. संजय अरोड़ा (किशनगढ़) के अलावा अलीगढ़, रूड़की, वाराणसी, दिल्ली, पुणे, भिलाई, रांची आदि अनेक स्थानों से विद्वानों ने भाग लिया एवं विषय पर चर्चा की। कान्फ्रेंस में अनेक प्राध्यापक एवं समणियों ने भी अपने-अपने पत्रों का वाचन करते हुए चर्चा में भाग लिया। सभी संभागियों ने अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के दर्शन कर विषय पर चर्चा की एवं उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया।

शिक्षा विभाग

सामाजिक अधिगम की तकनीक : प्रक्रिया एवं अनुप्रयोग

राष्ट्रीय सेमिनार

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 6 व 7 अक्टूबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'सामाजिक अधिगम की तकनीक : प्रक्रिया एवं अनुप्रयोग' विषय पर संस्थान के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में आयोजित किया गया। आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि शिक्षा जगत में सामाजिक अधिगम का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने समाज निर्माण में नैतिकता को महत्वपूर्ण माना। मुख्य अतिथि जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. के.एल. शर्मा ने कहा कि जैन विश्वभारती संस्थान नैतिक एवं मानवीय मूल्यों के विकास का सक्षम केन्द्र है। इस अवसर पर सामाजिक अधिगम विषयक स्मारिका का विमोचन भी किया गया। 6 अक्टूबर को सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

7 अक्टूबर को आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. आर. एस. यादव ने शिक्षा में सामाजिक अवदानों की चर्चा की। विशिष्ट अतिथि जम्मू विश्वविद्यालय के डॉ. प्रमोद कुमार ने भी अपने विचार रखे। इस द्विदिवसीय सेमिनार में संस्थान के प्राध्यापकों ने भी अपने अपने पत्रों का वाचन किया।

राष्ट्रीय कार्यशाला

मानवीय विकास एवं जीवन मूल्यों का संवर्धन

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 8-9 अक्टूबर को '' मानवीय विकास एवं जीवन मूल्यों का संवर्धन '' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गयी। उद्घाटन समारोह को सान्निध्य प्रदान करते हुए साध्वी प्रमुखाश्री कनक प्रभा ने जीवन के चार आयाम शक्ति, संतुष्टि, पवित्रता और आनन्द को जीवन का सूत्र बताते हुए कहा कि संयम के प्रति समर्पित रहने से ही व्यक्ति सही मायने में धार्मिक व प्रामाणिक बन सकता है। मुख्य अतिथि सी आई एस आर नई दिल्ली के निदेशक अंतरिक्ष वैज्ञानिक प्रो. ओ.पी. पाण्डेय ने विज्ञान एवं अध्यात्म के समन्वय की चर्चा की। अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने मूल्यों के विकास के लिए तप एवं साधना को जरूरी बताया। विशिष्ट अतिथि प्रो. लोकनाथ मिश्र ने विनम्रता को मूल्यों के लिए जरूरी बताया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. बी.एल. जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. अमिता जैन ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। 9 अक्टूबर को समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि नागौर के जिला कलेक्टर विकास एस. भाले ने जैन विश्वभारती संस्थान को मानवीय मूल्यों के विकास का उत्कृष्ट केन्द्र बताते हुए यहां दी जा रही शिक्षा को मानवोपयोगी बताया। समारोह को सान्निध्य प्रदान करते हुए संस्थान के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ने ईमानदारी, अहिंसा एवं संयम को श्रेष्ठ जीवन का आधार बताते हुए व्यवहार शास्त्र की मीमांसा की। डॉ. सरोज राय ने कार्यशाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समापन समारोह में एसडीएम लाडनूं श्री अशोक कुमार त्यागी, तहसीलदार श्री दीनदयाल बाकोलिया, नायाब तहसीलदार श्री गोविन्दराम बागड़िया, प्रो. गोपीनाथ शर्मा, प्रो. मधुरेश्वर पारीक सहित अनेक विद्वान उपस्थित थे।

हिन्दी दिवस

संस्थान के शिक्षा विभाग में हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एल. जैन की अध्यक्षता में 13 सितम्बर को कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राध्यापिकाओं, संकाय सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अधिकाधिक कार्य में हिन्दी के प्रयोग पर बल दिया।

शिक्षक दिवस

संस्थान के शिक्षा विभाग तथा जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक दिवस का आयोजन 5 सितम्बर को किया गया। जिसमे संस्थान के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सेमिनार

अहिंसा एवं शांति विभाग

सामाजिक सरोकार एवं विश्वशान्ति को आचार्यश्री तुलसी का योगदान

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में 29-30 सितम्बर को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार ''सामाजिक सरोकार एवं विश्वशान्ति को आचार्य तुलसी का योगदान'' विषय पर आयोजित किया गया। सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि इन्स्टीच्यूट ऑफ एडवान्स स्टडीज इन एजुकेशन, गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर के कुलपति प्रो. आर.एन. शर्मा ने कहा कि आचार्य तुलसी के सामाजिक सरोकार एवं विश्व शान्ति के योगदान प्रासंगिक हैं। आचार्य तुलसी का मानना था कि व्यक्ति का शान्त एवं संतुलित मस्तिष्क ही विश्व में शान्ति का हेतु बन सकता है। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए जैन विश्वभारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि आचार्य तुलसी ने संयम को विश्व में व्याप्त तमाम समस्याओं का हल बताया। संयम ही विश्व में शान्ति का जनक बन सकता है।

विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल धर ने सेमिनार की रूप रेखा प्रस्तुत की। प्रो. बच्छराज दूगड़ ने आचार्य तुलसी के वैश्विक योगदान की चर्चा करते हुए सभी समागत अतिथियों का स्वागत किया। सेमिनार के समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. महावीर राज गेलड़ा ने कहा कि आचार्य तुलसी कालजयी चिन्तन के धनी थे। उनका चिन्तन एवं दृष्टिकोण मानवीय एकता एवं सामाजिक समरसता को बढ़ाने वाला रहा है। दो दिन के इस सेमिनार में शिक्षाविद् प्रो. नरेन्द्र अवस्थी, प्रो. एस.पी. दूबे, डॉ. महेन्द्र कर्णावट, प्रो. प्रेम सुमन जैन, डॉ. उर्मिला जैन, डॉ. हरिराम, प्रो. एल. के. दाधीच, प्रो. एन.एल. कच्छारा, डॉ. दिनेश गहलोत, प्रो. हरिशंकर पाण्डेय, डॉ. जिनेन्द्र जैन, प्रो. के.सी. अग्निहोत्री, डॉ. ललित, डॉ. किरण नाहटा तथा संस्थान के विभागाध्यक्षों एवं संकाय सदस्यों ने विभिन्न सत्रों में आचार्य तुलसी के विश्वशान्ति के अवदानों पर व्यापक चर्चा की।

राष्ट्रीय सेमिनार

संस्कृत, प्राकृत, जैन विद्या विभाग

आचार्यश्री तुलसी का प्राच्य विद्या को अवदान

संस्थान के संस्कृत, प्राकृत एवं जैन विद्या, धर्म तथा दर्शन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य तुलसी का प्राच्य विद्या को अवदान विषयक राष्ट्रीय सेमिनार 7 एवं 8 अक्टूबर को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. राजेन्द्र मिश्र ने आचार्य तुलसी के प्राच्य विद्याओं के योगदान की चर्चा करते हुए उनके संस्कृत साहित्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने आचार्य तुलसी के विविध अवदानों को राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि प्रो. दयानन्द भार्गव ने कहा कि आचार्य तुलसी समन्वयक विचार धारा के व्यक्ति थे। अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि सम्प्रदाय विशेष के आचार्य रहते हुए भी आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आन्दोलन जैसा नैतिक आंदोलन मानव जाति के उत्कर्ष हेतु प्रदान किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. फूलचन्द जैन ने कहा कि आचार्य तुलसी ने जैन आगमों के सम्पादन के लिए जो कार्य किया है वह भारतीय दर्शन एवं साहित्य की अनूठी धरोहर है। इस दो दिवसीय सेमिनार के विभिन्न सत्रों में संस्थान के विभागाध्यक्षों एवं संकाय सदस्यों तथा अन्य विद्वानों ने आचार्य तुलसी के प्राच्य विद्या के अवदान पर चर्चा की।

साप्ताहिक कार्यशाला

संस्थान के संस्कृत एवं प्राकृत तथा जैन विद्या, तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 25 से 31 अक्टूबर तक साप्ताहिक कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला के प्रथम दिन प्रो. मुनि महेन्द्र कुमार ने प्राकृत एवं संस्कृत ग्रन्थों का अनुवाद कार्य, समस्याएं एवं समाधान विषय की मीमांसा करते हुए प्राच्य भाषाओं के संरक्षण को जरूरी बताया। साप्ताहिक कार्यशाला में विभिन्न विद्वानों ने प्रतिदिन जैन विद्या से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर अपने व्याख्यान दिए।

Vice-Chancellor's Incessant Steps

Social Responsibility of Media, Ethics and Sustainable Development

Samani Charitra Prajna, Vice-Chancellor was invited in Acharya Tulsi and Acharya Mahaprajna Memorial Lecture on Social Responsibility of Media, Ethics and Sustainable Development. Samani Charitra prajna and Samani Aagam Prajna joined the lecture organized by PHD Chamber of Commerce and Industry & Jain Shvetambar Terapanthi Mahashabha on 3 June 2013 at New Delhi.. The inaugural session was presided by Muni Shri Sukhlalji. Abhishek. M. Singhvi, MP, Rajya Sabha; Vir Sanghvi, Advisor, HT Media; Dr. S.Y. Quraishi, Former Chief Election Commissioner were invited to share their views in the inaugural session. Samani Charitra Prajna, while sharing her ideas said that Acharya Tulsi and Acharya Mahapragya, both were the legendary and visionary personalities. dedicated their life for the cause of social welfare of humanity. She added that media is highly influencing peoples mind. Hence, it should take the responsibility to prepare the man for taking up the challenges of life and find solution in moral way. Obviously that without ethics development cannot be sustained for ever. The inaugural session was continued with the panel session and discussions.

Key-note Speech

Prof. Heeralal Jain Smriti Vyakhyanmala at Rashtriya Sanskrit Sansthan

Samani Charitra Pragya, Vice Chancellor, JVBI was invited by Rashtriya Sanskrit Sansthan, Jaipur to deliver a lecture in Prof. Heeralal Jain Smriti on October 22, 2013. As a key-note speaker, she spoke on *'Uttaradhyayan mein Varnit Shadjivnikay ki Prarupana'*. while enumerting the concept of "Shad Jivnikay" propounded by bhagan mahavir. she deliberataly said that if one does not realise the feeling of small beings, he cannot be nonviolent or compassionate towards all living beings our life existes because of the existence of others. The event was also graced by the eminent Jain scholars Prof. Dayanand Bhargav, Prof. Mahaveerraj Gelera. Prof. Shreyas etc. Rashtriya Sanskrit Sansthan paid gratitude towards Samaniji for enlightening the students and faculty members.

Speech at "The Foundation for Universal Responsibility of H.H. Dalai Lama"

The foundation for Universal Responsibility of H.H. Dalai Lama initiated monthly lecture series on Indian Spiritual thought in partnership with the Indian International Centre at Delhi. Under this lecture series, on 22nd August, 2013, Samani Charitra Prajna, Vice Chancellor of JVBI was invited to speak on Relevance of Jainism in Modern Period. She introduced Ahimsa, Aparigrah and Anekant as fundamental principles of Jainism. She explained philosophical, ethical as well as practical importance of these principles.in day to day life.

UGC Diamond Jubilee

UGC diamond jubilee program was organized at Vigyan Bhavan, Delhi on 28. 12. 2013. The program was presided by Honorable Prime Minister, Manmohan Singh. Pallam Raju, MHRD Minister; Ved Prakash, UGC Chairman; Shashi Tharoor, Minister of State for HRD graced the program. The program was attended by hundreds of VC including honorable VC, Samani Charitra prajnaji and Samani Aagam Prajna.

JAINA Convention, Detroit, USA

JAINA Convention of 2013 with the theme, Jainism, a global impact was organised on 3rd -7th July, 2013, at Detroit, USA. In this convention, reverence was expressed to Acharya Tulsi by organizing two sessions.

Samani Charitra pragya, the vice chancellor of Jain Vishva Bharati Institute delivered her reverence to His Holiness Acharya Tulsi presenting him a charismatic personality. The event started off with an English version of Anuvrat Geet, a resonating composition of Acharya Tulsi. Followed by this was a lively documentary, "A glimpse of a Legacy of a legend: Acharya Tulsi". She expressed an over view of the life contributions of Acharya Tulsi. The speech expressed the humanitarian approach, the revolutionary steps, the un-exhausting passion, courageous ventures and the extraordinary contributions. Jain President Prem Jain followed up with the speech sharing the unprecedented visionary effort of Acharya Tulsi of initiating Saman order as commendable for ever.

Dean of INSEAD, Dr. Deepak C. Jain presented the insight he received in the first and last meeting with His Holiness Acharya Mahapragya which is "Wisdom World". He briefed about the project.

An independent grandeur session on Acharya Tulsi's Birth Centennial Celebration on 5th July. Samani Unnata pragya, faculty, FIU gave her presentation on the life and contribution of Acharya Tulsi in the field of Jain education.

Dr Samani Chaitanya Pragya delivered a talk on **Jain Universe** and **Implication of Jain principle of nonviolence.**

Preksha Life Skill Program in Mumbai

Samani Rohit Pragya and Samani Vinay Pragya conducted "Preksha Life Skill" (Personality Development Programme) in December 2013 in Mumbai. There were two sessions in a day. The topics of lectures were – Set your Goal, How to stay Enthusiastic, Attitude of Gratitude and Contribute, etc. In each session all the participants shared their views on topics given by samanijis.

Total 144 participants took the advantage of this personality development programme. The organisers of programme paid gratitude to samanijis for conducting such kind of workshop and enlightening the people of all age.

Experience of Participants

Words are too small for explaining my views about the program. It was an awesome experience to know about our life. It was a joyful journey.

Charil Pokarna

Outstanding program! Step by step it takes us to a beautiful world; Completely different from our thoughts. It includes all the important topics of our life. "MAGICAL PROGRAM".

Yogita Kachhara

अनुशास्ता ने किया संस्थान का अवलोकन

संस्थान के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ने 8 अक्टूबर को संस्थान के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक खण्डों का अवलोकन किया। शैक्षणिक खण्ड अवलोकन के दौरान डॉ. अनिल धर ने अहिंसा एवं शान्ति विभाग एवं अनेकान्त शोध पीठ, प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने जीवन विज्ञान विभाग, प्रो. दामोदर शास्त्री ने जैन विद्या विभाग, प्रो. रेखा तिवारी ने अंग्रेजी विभाग, डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा ने प्राकृत एवं संस्कृत विभाग, श्री प्रतापचन्द बेहरा ने समाज कार्य विभाग, डॉ. पुष्पा मिश्रा ने विस्तार निदेशालय एवं आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। प्रशासनिक खण्ड में डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, श्री आर.के. जैन ने वित्त विभाग, श्री नेपाल चन्द गंग ने प्रकाशन विभाग, श्री दीपाराम खोजा ने संस्थापन विभाग, श्री पंकज भटनागर ने परीक्षा विभाग, श्री दीपक माथुर ने कम्प्यूटर विभाग आदि की विस्तृत जानकारी दी।

अनुशास्ता ने कुलपति कक्ष, कॉन्फ्रेन्स हॉल, आचार्य महाप्रज्ञ सभागार, कुल सचिव कक्ष, स्टोर, कम्प्यूटर लेब आदि का भी अवलोकन किया। संस्थान के कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा एवं कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने अनुशास्ता को संस्थान के प्रगति के बारे में विस्तार पूर्वक बताया एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी।

11 अक्टूबर को अनुशास्ता ने आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, शिक्षा विभाग, बालिका छात्रावास एवं आवासीय परिसर का अवलोकन किया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने महाविद्यालय की एवं डॉ. बी.एल. जैन ने शिक्षा विभाग की विस्तृत जानकारी दी।

12 अक्टूबर को अनुशास्ता ने वर्धमान ग्रन्थाकार का अवलोकन किया। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. अमित शर्मा ने ग्रंथागार के संदर्भ में जानकारी दी। अनुशास्ता ने ग्रन्थागार में स्थित प्राचीन पाण्डुलिपियों एवं ग्रन्थों का भी अवलोकन किया।

अनुशास्ता के सान्निध्य में संस्थान सदस्य

संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा के नेतृत्व में संस्थान के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक सदस्यों ने अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के भिक्षु विहार में दर्शन किए। आचार्यश्री ने संस्थान के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान के साथ आचार की शिक्षा जैन विश्वभारती संस्थान में देखी जा सकती है। आचार शून्य ज्ञान का कोई महत्व नहीं है। ज्ञानी हो किन्तु संयम, सहिष्णुता, विनय आदि गुण न हो

तो वह ज्ञान किस काम का। संस्थान परिवार के सभी सदस्यों में सामुदायिक चेतना का विकास हो, आपसी सौहार्द हो, सब मिलकर कार्य करें ऐसा प्रयास होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह संस्थान ऐसा है जहाँ साधना के पथ पर अग्रसर समणीवृंद भी अपनी सेवाएं दे रही हैं। यहाँ का परिसर अध्यात्ममय है, अनुशासन यहां के कण-कण में दृष्टिगोचर होता है। अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण को विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों का परिचय देते हुए उनके द्वारा निभाए जा रहे दायित्वों एवं कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गयी। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने अनुशास्ता को विश्वास दिलाया कि अनुशास्ता की दृष्टि की आराधना होगी तथा विश्वविद्यालय के विकास यात्रा हेतु हम सभी संकल्पबद्ध हैं।

दूरस्थ
शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय कार्यशाला

क्षेत्रीय समन्वयकों की कार्यशाला

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय एवं कॅरियर एण्ड काउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में 5 एवं 6 अक्टूबर को आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय समन्वयकों की राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि समन्वयकों के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा की बात घर-घर पहुंचे इसके लिए विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रो. सत्यप्रकाश दूबे ने उपस्थित समन्वयकों को नैतिक मूल्यों से प्रेरित पाठ्यक्रमों के माध्यम से लोगो में शिक्षा की ज्योति जगाने का आह्वान किया। गुजरात

विश्वविद्यालय के प्रो. दिलीप चारण ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा से देश में शिक्षा की दर में बढ़ोतरी हुई है। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। समापन समारोह के मुख्य अतिथि यू.जी.सी. के दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो डॉ. भारत भूषण ने दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से देश में शिक्षा के विकास की आवश्यकता जतायी। विशिष्ट अतिथि गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद के प्रो. दिनेश पांचाल ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से सरलता से कोई भी व्यक्ति अपनी शिक्षा को आगे बढ़ा सकता है। विशिष्ट अतिथि ग्रामोत्थान विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ. डी.पी. सिंह ने उपस्थित समन्वयकों को सम्बोधित करते हुए ज्ञान के विकास के लिए शिक्षा को आधार बताया। दूरस्थ शिक्षा के निदेशक डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कार्यशाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

संस्थान के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण एवं मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभाजी ने समन्वयकों को विशेष पाथेय प्रदान करते हुए नैतिक मूल्यों पर बल दिया। दो दिन चले इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में प्रो. बच्छराज दूगड़, डॉ. अनिल धर, प्रो. दामोदर शास्त्री, प्रो. रेखा तिवारी, डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा, डॉ. समणी शुभ प्रज्ञा, डॉ. बी.एल. जैन, श्री दीपाराम खोजा, डॉ. जुगलकिशोर दाधीच, श्री राकेश जैन, श्री पंकज भटनागर, डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के संचालन में डॉ. अशोक भास्कर, जे.पी. सिंह, प्रियंका कुमारी, मुमुक्षु सुनिता चिण्डालिया, राम कैलाश जोशी आदि ने सहयोग किया।

XXIII World Congress of Philosophy, Athens, Greece

Session and Round Table organised by Jain Vishva Bharati Institute in Collaboration with Florida International University and Jain Education and Research

World Congress of Philosophy is the biggest conference in the field of philosophy. Thousands of scholars, societies, institutions and universities working in the field of philosophy participate in it. Jain Vishva Bharati Institute started organising roundtable for the first time in the XXII WCP which was held in Seoul, South Korea in 2008. In the XXIII WCP which was recently held in Athens, Greece from August 4 -10, 2013, JVBI, in collaboration with FIU and JERF, has organised the second round table and first invited session. Prof. Samani Chaitanya Prajna accompanied by Samani Rohit Prajna was the co-ordinator of the sessions. To have an inter-disciplinary approach to look for the solutions to the problems of the present day world the eminent scholars of different fields, such as, management and business, science, philosophy and religion were invited as the speakers of the sessions. Among the speakers were Prof. Narendra Bhandari, Space Scientist, Indian National Science Academy, India, Prof. Dipak Jain, Former Dean, INSEAD, Business School for the World, Prof. Kusum Jain, Dean of Arts, University of Rajasthan, Prof. Jaffery D. Long, Elizabethtown College, USA, Prof. Samani Chaitanya Prajna and Samani Rohit Pragya, Jain Vishva Bharati Institute, India.

Invited Session was organised on ***Jain Philosophy of Anekant: A Panacea to the Problems of Present Day World*** on August 6, 2013. The session was presided by Prof. William McBride, President of FISP, who not only proposed the session but also sponsored for the session. Prof. McBride expressed his view about the Jain philosophy and its contribution to develop a harmonious and peaceful way of living. Prof. Dipak Jain was the Chair of the session.

Round Table was held on August 8, 2013 and chaired by Prof. Samani Chaitanya Prajna. Theme of the Round Table was ***Jain View towards Philosophical Inquiry and Harmonious Ways of Living.*** In the Round Table, talks on *Jain Approach to Living in Harmony, Jain Principles and Values: A Moral Compass, Economics of Nonviolence and Sustainable Development.*

Both the sessions were interactive and interesting. The participants who were present in the sessions came to know about the application of the Jain principle of Anekant and other in social sciences.

Prof. Samani Chaitanya Pragya put the philosophical Foundation aspect of Anekant by sharing the views of Jain scholars like Acharya Siddhasen (6th c.CE) and Acharya Mahaprajna (21st c. CE).

Organising such sessions on the land of Greece was a great opportunity to explore Jain ideas amongst eminent scholars of philosophy. At the end of Round-Table, a document of declaration, signed by all the speakers was read by Prof. Dipak Jain. It was also presented by him to Prof. William McBride, the President of FISP. The whole program could be held with the generous support of Jain Vishva Bharati, Bhagwan Mahavir Professorship, FIU and Jain Education Research Foundation. Apart from these organizations there were some esteemed donors behind the curtain of the program. Among them the names of Shashi-Kusum Baid, Lalit-Gunamala Mehta, Miami and Kirit Shah, Westpalmbeeach, USA can be mentioned. JVBI is thankful to all the sponsors and organizers of WCP for their support.

JITO द्वारा अवलोकन

जैन जगत का अनूठा संस्थान है जैविभा संस्थान

19 अक्टूबर को जैन इन्टरनेशनल ट्रेड ऑरगेनाइजेशन JITO के प्रमुख अधिकारियों ने विश्वविद्यालय का भ्रमण कर यहाँ संचालित विविध पाठ्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। संस्थान का अवलोकन करते हुए उन्होंने संस्थान को जैन संस्कृति एवं प्राच्य विद्या की शिक्षा प्रदान करने का अनूठा केन्द्र बताया। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कान्फ्रेंस हॉल में संस्थान की सम्पूर्ण गतिविधियों की जानकारी दी। संस्थान में चल रहे रिसर्च प्रोजेक्ट की जानकारी के साथ-साथ भविष्य की योजनाओं को भी विस्तार से बताया। JITO के उपाध्यक्ष श्री शान्तिलाल कवाड़ ने कहा कि हमें यह जानकर प्रसन्नता है कि जैन समाज में शिक्षा की दृष्टि से इतना महत्वपूर्ण कार्य हो रहा है। श्री सूरेश मूथा ने कहा कि इस संस्थान के पाठ्यक्रमों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिले, ऐसा प्रयास हम सबका होना चाहिए। श्री मोतीलाल जैन ने कहा कि हमें यह विश्वविद्यालय देखकर लगा कि यहाँ मात्र विजन ही नहीं उसके साथ-साथ डिटरमीनेशन एवं एक्सीक्यूशन भी है।

इस अवसर पर जैविभा के अध्यक्ष श्री ताराचन्द रामपुरिया, पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कुमार चौरड़िया, श्री राकेश कठोतिया, श्री शांतिलाल बरमेचा, श्री ख्यालीलाल तातेड़, श्री राजेन्द्र खटेड़ भी उपस्थित थे। सभी सदस्यों ने अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के दर्शन कर उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया।

JITO के पदाधिकारियों ने संस्थान के सभी विभागों के साथ-साथ वर्द्धमान ग्रंथागार का भी अवलोकन किया।

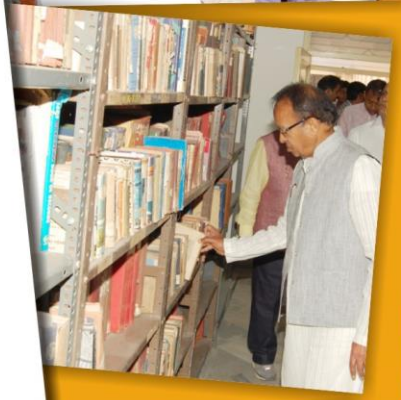

सुशीला दानचन्द घोड़ावत ऑडिटोरियम का उद्घाटन

जैन विश्वभारती संस्थान में सुशीला दानचन्द घोड़ावत ऑडिटोरियम का उद्घाटन 16 नवम्बर को आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में समारोह पूर्वक किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि संस्थान के प्रथम अनुशास्ता आचार्य तुलसी का स्वप्न था कि यह संस्थान नैतिक एवं मानवीय मूल्यों के प्रसार का उत्कृष्ट केन्द्र बने, आज यह संस्थान नैतिक एवं मानवीय मूल्यों के विकास का एक महत्वपूर्ण शिक्षा संस्थान बन गया है। समारोह को संबोधित करते हुए सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति, एसजी ग्रुप के चेयरमेन श्री संजय घोड़ावत ने कहा कि जैन विश्वभारती संस्थान अपने पाठ्यक्रमों एवं मूल्यों से जुड़ी शिक्षा के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी व्यापक पहचान रखता है। इससे पूर्व घोड़ावत ने अतिआधुनिक ऑडिटोरियम का आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में उद्घाटन किया। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने अपने वक्तव्य में संस्थान का परिचय एवं विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जैन विश्वभारती संस्थान के प्रथम अनुशास्ता आचार्यश्री तुलसी एवं संस्थान के गतिविधियों की डॉक्यूमेंटरी का प्रदर्शन भी किया गया। प्रसिद्ध उद्योगपति श्री संजय घोड़ावत, श्री दानचन्द घोड़ावत, श्री विनोद घोड़ावत, श्री सतीश घोड़ावत एवं आर्किटेक्ट श्री के.एल. मल्होत्रा का संस्थान की ओर से श्री ताराचन्द रामपुरिया, श्री सुरेन्द्र चौरड़िया, श्री प्रमोद बैद, श्री चैनरूप भंसाली ने मोमेन्टो, साहित्य एवं शॉल भेंट कर सम्मान किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया। आभार ज्ञापन संस्थान के कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने व्यक्त किया। इस अति आधुनिक ऑडिटोरियम का निर्माण वर्तमान सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। ऑडिटोरियम को साउण्ड सांइलेंस के साथ जोड़ा गया है वहीं वायरलेस साउण्ड सिस्टम के साथ आधुनिक रंगमंच का निर्माण भी किया गया है। यह आधुनिक ऑडिटोरियम 400 व्यक्तियों की क्षमता का होने के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से भी युक्त है।

इस अवसर पर जैन विश्वभारती के ट्रस्टी श्री प्यारेलाल पितलिया चैन्नई के आर्थिक सौजन्य से निर्मित आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में कम्प्यूटर लैब का उद्घाटन भी जैन विश्वभारती के उपाध्यक्ष श्री धर्मचन्द लूंकड़ चैन्नई के द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय कार्यशाला

आचार्यश्री तुलसी ने मूल्यों को स्थापित किया-अर्जुन देव चारण

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॅरियर काउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में 30 अगस्त को आचार्य तुलसी का हिन्दी एवं राजस्थानी साहित्य में मूल्य दर्शन पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला के मुख्य अतिथि राजस्थान साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री अर्जुन देव चारण ने कहा कि आचार्यश्री तुलसी ने साहित्य के माध्यम से मूल्यों को स्थापित किया है। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि आचार्य तुलसी का हिन्दी एवं राजस्थानी साहित्य मानवता को समर्पित रहा है। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने स्वागत भाषण किया। प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संयोजन डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने किया। कार्यशाला में प्रो. कृष्णा महनोत, प्रो. एन. के. भाबा, प्रो. भंवर सिंह सामौर, डॉ. नन्दलाल कल्ला, डॉ. भवानी शंकर रांकावत, डॉ. गजानन्द चारण, डॉ. भंवरलाल प्रजापत, डॉ. सी.एम. चारण, डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी आदि ने अपने महत्वपूर्ण विचार रखें।

सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम

संस्थान के कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं के लिए 15 दिवसीय सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम कोलकाता की प्रतिष्ठित संस्थान 'आई लीड' में 23 सितम्बर से 08 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्राओं ने नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, प्रेरणा, संभाषण आदि स्किल्स डवलपमेन्ट के कार्यक्रमों में भाग लिया। साथ ही छात्राओं को उद्यमिता के गुणों के विकास एवं डिजिटल फिल्म मेकिंग का प्रशिक्षण भी दिया गया। सॉफ्ट स्किल्स की कक्षायें 'आई लीड' संस्थान के चैयरमेन श्री प्रदीप चौपड़ा द्वारा ली गई। छात्राओं ने कोलकाता स्थित ऐतिहासिक स्थलों का भी शैक्षिक भ्रमण किया। पूजा जैन के नेतृत्व में कुल 19 छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

व्यक्तित्व विकास एवं विद्यार्थी

एकेकेएम एवं कॅरियर काउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में 27 सितम्बर को राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. पी.के. दसोरा ने व्यक्तित्व विकास एवं विद्यार्थी विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने संभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि व्यक्तित्व विकास से ही व्यक्ति एक नये चिंतन का विकास कर सकता है। जरूरी है कि विद्यार्थी मानवीय मूल्यों को जीवन में अपनाते हुए अपना विकास करें। उन्होंने जीवन निर्माण के चार सूत्र भाषा, भूषा, भोजन एवं भजन का विश्लेषण किया। दूरस्थ शिक्षा निदेशक डॉ. ए.पी. त्रिपाठी ने मोमेन्टो भेंट कर प्रो. दसोरा का सम्मान किया। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने स्वागत किया। सेल के समन्वयक डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने संयोजन किया।

कॅरियर एण्ड काउन्सलिंग सेल द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान

दिनांक	व्याख्यानकर्ता	विषय
05 जुलाई, 13	डॉ. गौरव बिस्सा, बीकानेर	बाजार अर्थव्यवस्था में कॅरियर
05 जुलाई, 13	डॉ. जी.एन. पुरोहित, बाड़मेर	लेखांकन में कॅरियर
20 सितम्बर, 13	प्रो. आर.एस. शर्मा, कुलपति, आर.के.ए. विश्वविद्यालय जोधपुर	वर्तमान में आयुर्वेद एवं उनका महत्व
20 सितम्बर, 13	एम.के. भण्डारी, पूर्व डीन, विधिसंकाय जे.एन.वी. विश्वविद्यालय जोधपुर	विधि के क्षेत्र में कॅरियर निर्माण
21 सितम्बर, 13	डॉ. महेन्द्र बाफना	सापेक्षिक अर्थशास्त्र का महत्व
21 सितम्बर, 13	प्रो. डी.एस. चुण्डावत, एम.एल.एस. विश्वविद्यालय उदयपुर	वर्तमान स्थिति में एकाउन्टिग का महत्व
21 सितम्बर, 13	प्रो. ए.एस. चारण, सूरत	अहिंसा का अर्थशास्त्र
21 सितम्बर, 13	प्रो. सी.एस. बरला, जयपुर	भारत में बदलती आर्थिक स्थिति
23 सितम्बर, 13	प्रो. के.एस. सक्सेना, जयपुर	राजनीतिक परिदृश्य में नई प्रवृति
05 अक्टूबर, 13	प्रो. एस.पी. दूबे, जोधपुर	संस्कृत साहित्य में कॅरियर
06 अक्टूबर, 13	प्रो. भारत भूषण, नई दिल्ली	दूरस्थ शिक्षा में कॅरियर
06 अक्टूबर, 13	प्रो. डी.जे. पांचोल, अहमदाबाद	भारतीय दर्शन का महत्व

कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल

डांडिया नृत्य आयोजन

AKKM

संस्थान के परिसर में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा डांडिया नृत्य का कार्यक्रम 11 अक्टूबर की संध्या आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं के विभिन्न दलों ने अपनी-अपनी मनोहारी प्रस्तुतियां दी। नृत्य में श्रेष्ठ आने वाले को मुख्य अतिथि श्रीमती सूरज देवी दूगड़ द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। संस्थान के सहायक कुलसचिव श्री दीपाराम खोजा ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को मोमेन्टो भेंट कर सम्मानित किया। कॅरियर काउन्सलिंग के समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच, डॉ. प्रगति भट्नागर, अदिति गौतम एवं डॉ. तृप्ति जैन आदि संकाय सदस्यों की सहभागिता रही।

अहिंसा एवं शांति विभाग

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग एवं कॅरियर काउन्सलिंग सेल के संयुक्त तत्वावधान में 29 से 31 अगस्त तक अहिंसा युवा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। संभागियों को संबोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने अहिंसा एवं शान्ति के युगीन मूल्यों का आकलन करते हुए जीवन में उसकी सार्थकता पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल धर ने शिविर की रूप रेखा प्रस्तुत की। संभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि वर्तमान में हमारे सामने वैश्विक समस्याओं का अम्बार है, हम सामूहिकता एवं सहअस्तित्व की भावना को स्वीकार कर ही समाज में अहिंसा एवं शान्ति की स्थापना कर सकते हैं। समापन के अवसर पर प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने अहिंसा प्रशिक्षण को शान्ति का आधार बताते हुए जीवन में अहिंसात्मक शक्ति के विकास की कामना की। प्रशिक्षण शिविर में विशेष रूप से उपस्थित केलिफोर्निया युनिवर्सिटी के इतिहास विभाग की प्रो. तारा सेठिया ने युवाओं से बात कर उनके सवालों के जबाब दिए। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. पुरखाराम मिर्धा, श्री शंकरलाल जाखड़, डॉ. वन्दना कुण्डलिया, डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने भी अपने विचार व्यक्त किए। भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में विशेषाधिकारी श्री नेपालचन्द गंग एवं डॉ. गिरीराज भोजक ने अपना योगदान दिया। प्रशिक्षण कार्य में डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत, डॉ. रविन्द्र राठौड़ का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में 13 सितम्बर को एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल धर ने अहिंसा की संस्कृति को व्यापक बताते हुए सैद्धान्तिक प्रशिक्षण भी दिया। प्रो. बच्छराज दूगड़ ने संभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में अहिंसा को अंगीकार कर जीवन में मैत्रीभाव, सहयोग का विकास करते हुए शत्रुताभाव का त्याग करना ही अहिंसा का मूल सूत्र है। सहायक आचार्य डॉ. रविन्द्र राठौड़ ने युवाओं को प्रशिक्षण देते हुए जीवन में अहिंसा तत्व को अपनाने का आह्वान किया। डॉ. युवराज सिंह ने यौगिक क्रियाओं एवं ध्यान का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वन्दना कुण्डलिया ने किया।

अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण द्वारा 'तुलसी प्रज्ञा' विशेषांक का विमोचन

संस्थान द्वारा प्रकाशित शोध पत्रिका 'तुलसी-प्रज्ञा' के आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी के अवसर पर प्रकाशित विशेषांक (जुलाई-दिसम्बर 2013) का विमोचन सुधर्मा सभा में आचार्य महाश्रमण द्वारा किया गया। सम्पादक डॉ. अनिल धर ने विशेषांक की प्रति आचार्य महाश्रमण को भेंट की। इस अवसर पर प्रबन्ध सम्पादक नेपाल चन्द गंग भी साथ थे। समारोह में संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा, शैक्षणिक विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, सहायक कुलसचिव श्री दीपाराम खोजा एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. बच्छराज दूगड़ ने किया।

प्रो. दामोदर शास्त्री संस्कृत शास्त्र पुरस्कार से सम्मानित

जैन विश्वभारती संस्थान मान्य विश्वविद्यालय के जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग के अध्यक्ष प्रो. दामोदर शास्त्री को राजस्थान संस्कृत अकादमी कला, साहित्य व संस्कृति मंत्रालय, राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2012-13 का संस्कृत शास्त्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रो. शास्त्री को यह पुरस्कार उनकी 'कातान्त्र रूप माला' संस्कृत व्याकरण की विस्तृत टीका पर गुजरात की राज्यपाल महामहिम श्रीमती कमला ने जयपुर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में प्रदान किया। ज्ञातव्य है कि प्रो. शास्त्री दर्शन व संस्कृत के प्रख्यात विद्वान हैं। प्रो. शास्त्री को 'संस्कृत शास्त्र' सम्मान मिलने पर संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा व कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने बधाई दी।

विस्तार निदेशालय

विस्तार निदेशालय के कार्यक्रम

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना एवं आचार्य महाप्रज्ञ महिला सिलाई प्रशिक्षण केन्द्रों पर निम्नांकित गतिविधियों का आयोजन किया गया :-

दिनांक	कार्यक्रम
19.07.2013	चित्रकला प्रतियोगिता
07.08.2013	संगीत प्रतियोगिता
15.08.2013	स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम
04.09.2013	मेहन्दी प्रतियोगिता
08.09.2013	साक्षरता रैली
23.09.2013	कढ़ाई प्रतियोगिता

04.10.2013	सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता
25-26 अक्टूबर	दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण
05.11.2013	गुलदस्ता बनाने की प्रतियोगिता
22.11.2013	रंगोली प्रतियोगिता
02.12.2013	एड्स दिवस पर जागरुकता रैली
05.12.2013	डिजाईनदार खोलीयां प्रतियोगिता
13.12.2013	अंग्रेजी भाषा प्रतियोगिता

उपरोक्त सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के आर्थिक सहयोग से विस्तार निदेशालय प्रभारी डॉ. पुष्पा मिश्रा के निर्देशन में विस्तार निदेशालय कार्यकर्ता लक्ष्मण कुमार माली के सक्रिय सहयोग से किया गया।

अनुशास्ता के सान्निध्य में संस्थान के विभाग

अपने चातुर्मास के अन्तर्गत संस्थान के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ने संस्थान के सभी विभागों को अपने-अपने विभागों के सन्दर्भ में चर्चा हेतु हर शुक्रवार को अपनी सन्निधि प्रदान करने की अनुकम्पा की। सभी विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विभाग के संकाय सदस्यों के साथ आचार्यश्री की सन्निधि में विभाग की गति प्रगति से अनुशास्ता को अवगत करवाया। विभागध्यक्षों ने अनुशास्ता को विभागों में चल रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों जैसे- डी.लिट, पीएचडी, एम.फिल, एम.ए., ए.एस.सी., डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र आदि पाठ्यक्रमों से अवगत करवाया। विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशाला, संगोष्ठी, विशेष व्याख्यान की जानकारी दी। साथ ही नेट एवं जे.आर.एफ. उत्तीर्ण विद्यार्थी, शैक्षणिक सदस्यों द्वारा सेमिनारों में सहभागिता संकाय सदस्यों की प्रकाशित पुस्तकें एवं अन्य प्रकाशन आदि से अवगत करवाया। अपने-अपने विभागों में वर्तमान में चल रही शोध परियोजनाओं एवं आगामी परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ने सभी विभागों के अधिकाधिक विकास हेतु पाथेय दिया। उपरोक्त बैठकों में निम्नलिखित विभागों ने अपनी-अपनी सहभागिता की- 1. समाज कार्य विभाग 2. संस्कृत एवं प्राकृत विभाग 3. अंग्रेजी विभाग, 4. जैन विद्या विभाग, 5. जीवन विज्ञान एवं प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग, 6. अहिंसा एवं शांति विभाग, 7. अनेकान्त शोध पीठ, 8. शिक्षा विभाग, 9. आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय।

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय

नवागन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के नवागन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत कार्यक्रम 27 जुलाई को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने नवागन्तुक विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यहां ज्ञान के साथ-साथ आचार की भी शिक्षा दी जाती है। विद्यार्थियों को मूल्यों के प्रति दृढ़ रहना चाहिए। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मल्लीप्रज्ञा एवं कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने भी नवागन्तुक विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में नवागन्तुक विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने किया।

लोक प्रशासनिक सेवाओं में अंग्रेजी विषय की महत्ता

राज्य स्तरीय कार्यशाला

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, जैन विश्वभारती संस्थान एवं निदेशालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 26 अक्टूबर, 2013 को किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि आज सभी को समय की आवश्यकता के अनुरूप बदलने की आवश्यकता है। डॉ. प्रगति सोबती, अंग्रेजी विभाग, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर ने लोक प्रशासनिक सेवाओं में अंग्रेजी विषय के महत्व पर पीपीटी के माध्यम से विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 'अंग्रेजी की आवश्यकता लोक प्रशासनिक सेवाओं में ही नहीं, जीवन के हर स्तर पर है।' द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. एल.एल. जाखड़, मिर्धा कॉलेज, नागौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति की छुपी हुई ऊर्जा को प्रकट करती है। इस कार्यशाला में नागौर, टोंक, कुचामन, अजमेर, डीडवाना, भीलवाड़ा, बीकानेर, उनियारा आदि क्षेत्रों के राष्ट्रीय सेवा योजना के 40 स्वयं सेवकों व स्वयंसेविकाओं एवं अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रगति भटनागर ने किया। डॉ. जुगलकिशोर दाधीच द्वारा आभार ज्ञापित किया गया।

Youth Festival and Career Fair 2013

AKKM Career & Counseling

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॅरियर एण्ड काउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में 14 सितम्बर को यूथ फैस्टीवल आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राजस्थान महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. लाडकुमारी जैन ने कहा कि महिलाएं संस्कारों के साथ-साथ अपने जीवन को सशक्त बनाएं। अपने वक्तव्य के दौरान डॉ. जैन ने उपस्थित सैकड़ों छात्राओं को संकल्प दिलवाया। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि प्रत्येक छात्रा अपनी क्षमताओं को पहचाने और सफल भविष्य का निर्माण करें। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर की डॉ. पूनम बावा, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा, कुलसचिव डॉ. अनिल धर, प्रो. बच्छराज दूगड़, प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा, डॉ. विनित गोधल ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. तृप्ति जैन एवं आभार ज्ञापन डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने किया। यूथ फैस्टीवल में छात्राओं द्वारा 50 से अधिक स्टॉल लगाए गए। मनोरंजन के लिए लगाया गया थियेटर सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र रहा।

मतदाता जागरूकता अभियान

संस्थान की एन.एस.एस. इकाई द्वारा ग्राम बालसमन्द में रैली, संगोष्ठी एवं जन सम्पर्क द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन 19 सितम्बर को किया गया। मतदाता के घर-घर जाकर इकाई के स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा मतदान के प्रति जागरूक किया गया। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने मतदाता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर संस्थान प्रांगण से रवाना किया। बालसमन्द ग्राम में रैली संगोष्ठी में परिवर्तित हो गयी।

संगोष्ठी को कार्यक्रम अधिकारी श्री बिजेन्द्र प्रधान, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर, सरपंच श्री भंवरलाल नेहरा, शिक्षाविद् श्री रामचन्द्र ने भी सम्बोधित किया।

23 सितम्बर को एन.एस.एस. इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षा विभाग एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में विद्यार्थियों को मतदान का अर्थ, प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गयी।

राज्य स्तरीय वॉलीबाल चेम्पियनशीप प्रतियोगिता

संस्थान के क्रीड़ा विभाग के तत्वावधान में 21 से 24 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय बॉलीबाल चेम्पियनशीप का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 26 टीमों ने भाग लिया। उद्घाटन के अवसर पर संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा एवं उपखण्ड अधिकारी श्री अशोक कुमार त्यागी लाडनूं ने संभागियों को सम्बोधित किया। फाईनल मैच कसुम्बी और हनुमानगढ़ के बीच हुआ जिसमें हनुमानगढ़ चैम्पियन रहा। रैफरी का दायित्व श्री अशोक गौड़ रतनगढ़, श्री नत्थुसिंह शेखावत लाडनूं, श्री अशोक सेन बीकानेर ने निभाया।

समापन के अवसर पर प्रो. बच्छराज दूगड़, प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा एवं एस.एम. नाहटा फाउण्डेशन के ट्रस्टी समाजसेवी श्री सागरमल नाहटा ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। खेल सचिव डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने डे-नाईट आयोजित इस प्रतियोगिता की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संभागियों का आभार व्यक्त किया।

Jain Vishva Bharati Institute
Directorate of Distance Education
Organizes
Preksha Life Skill
(Personality Development Training Program)
Duration : 10 days, 2½ hours/each session, Age : 15 & above
Course Fee : Rs. 1,000/- only
Contact to : Samani Shukla Pragya, Samani Vinay Pragya Visit : prekshalskill@gmail.com

जनसम्पर्क अभियान

जनसम्पर्क केन्द्र

अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के जैन विश्वभारती में चातुर्मास के दौरान उनके प्रवचन स्थल के पास जैन विश्वभारती संस्थान का जन सम्पर्क केन्द्र स्थापित किया गया। सम्पर्क केन्द्र में संस्थान के साहित्य के विक्रय की व्यवस्था भी की गयी। आगन्तुक लोगों ने पुस्तकों का अवलोकन कर संस्थान से प्रकाशित साहित्य की सराहना करते हुए इन्हें ज्ञान वर्धक एवं उपयोगी बताया। जन सम्पर्क समन्वयक डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने आगन्तुकों को संस्थान की गतिविधियों एवं पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया एवं समय-समय पर आयोजित बृहद कार्यक्रमों में संस्थान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कॅरियर कॉउन्सलिंग शिविर

6 दिसम्बर को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जसवन्तगढ़ में कॅरियर कॉउन्सलिंग का शिविर आयोजित किया गया। जनसम्पर्क कार्यक्रम के अन्तर्गत लाडनूं के सूरजमल भूतोड़िया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी कॅरियर कॉउन्सलिंग के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

7 दिसम्बर को निम्बीजोधा के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कॅरियर कॉउन्सलिंग शिविर का आयोजन किया गया।

12 दिसम्बर को लाडनूं में सैनिक उच्च माध्यमिक विद्यालय, संस्कार उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुभाष बोस उच्च माध्यमिक विद्यालय में कॅरियर कॉउन्सलिंग शिविर आयोजित किया गया।

21 जुलाई को त्रिदिवसीय राष्ट्रीय शिक्षक संसद के सम्मेलन को संबोधित करते हुए संस्थान के जनसम्पर्क समन्वयक डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने सम्मेलन में देश भर से सभागत 250 शिक्षकों को विश्वविद्यालय की गतिविधियों की जानकारी देते हुए पाठ्यक्रमों से अवगत कराया।

विश्वविद्यालय का अवलोकन किया

24 अगस्त को पेटलावाद, रतलाम से लगभग 40 पुरुष-महिलाओं के एक दल ने जैन विश्वभारती संस्थान का अवलोकन कर इसे एक विशिष्ट विश्वविद्यालय बताया।

17 सितम्बर को मुंबई, कोल्हापुर एवं पूना से आए 50 युवाओं के एक दल ने विश्वविद्यालय का भ्रमण कर नियमित एवं पत्राचार पाठ्यक्रम की जानकारी प्राप्त की। दल में शामिल युवक-युवतियों ने विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान बताया। युवाओं ने विश्वविद्यालय से जुड़कर अध्ययन करने की इच्छा व्यक्त की। दल में शामिल युवाओं में डॉक्टर, इन्जीनियर व व्यवसायी शामिल थे। जनसम्पर्क समन्वयक डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने विशेष जानकारी देते हुए संस्थान से सम्बन्धित सामग्री भी वितरित की।

26 सितम्बर को संस्थान के अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के राष्ट्रीय अधिवेशन के संभागियों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का अवलोकन कर संस्थान के गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

संस्थान के अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आयोजित विद्यार्थी संस्कार निर्माण राष्ट्रीय कार्यशाला में चैन्नई, बैंगलोर, मुम्बई सहित देश के अनेक स्थानों से आए लगभग 250 विद्यार्थियों ने जैन विश्वभारती संस्थान का अवलोकन किया। इन विद्यार्थियों को कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा एवं प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने भी संबोधित किया। जन सम्पर्क समन्वय डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने विश्वविद्यालय की सम्पूर्ण जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय से जुड़कर अध्ययन करने की इच्छा व्यक्त की।

आचार्यश्री महाश्रमण से बाबा रामदेव की मुलाकात

12 नवम्बर को योग गुरु बाबा रामदेव ने संस्थान के अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण से भेंट कर धर्म, संस्कृति एवं अध्यात्म विषयक चर्चा की। बाबा रामदेव ने आचार्य तुलसी एवं आचार्य महाप्रज्ञ के अवदानों को मानव जाति के लिए उपयोगी बताया। संस्थान के जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के विद्यार्थियों ने भी बाबा रामदेव से योग विषयक चर्चा की।

एकेकेएम एण्ड कॅरियर कॉउन्सलिंग सेल

व्यक्तित्व विकास शिविर

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में 22 से 24 जुलाई तक व्यक्तित्व विकास शिविर महाविद्यालय की छात्राओं के लिये आयोजित किया गया। शिविर के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन को अनुशासित बनाने के लिए व्यक्तित्व विकास शिविर आधार भूमि तैयार करता है। शिविर के दूसरे सत्र में प्रेक्षाध्यान एवं यौगिक क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। शिविर के सत्रों में डॉ. मल्लीप्रज्ञा, डॉ. जुगलकिशोर, निर्मला भास्कर, प्रिया जैन, प्रियंका जैन आदि ने प्रशिक्षण दिया। शिविर के समापन पर सभी संभागी छात्राओं ने आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शांता जैन ने किया।

एडवेन्चर कार्यक्रम में संस्थान के स्वयं सेवकों ने भाग लिया

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्तर पर धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में दिसम्बर माह में आयोजित 15 दिवसीय राष्ट्र स्तरीय एडवेन्चर कार्यक्रम में जैन विश्वभारती संस्थान मान्य विश्वविद्यालय के स्वय सेवकों ने सहभागिता की। संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान के नेतृत्व में संस्थान के विद्यार्थी रूचि कुमारी, नितेश कुमार, विकास कुमार एवं रघु पारीक ने भाग लिया। इस राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम में राजस्थान, बिहार एवं उड़ीसा के चुनिन्दा 61 विद्यार्थियों का चयन किया गया था। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत रॉक क्लाईम्बिंग, रैफलिंग, बुशकास्क, नोटो का प्रशिक्षण, रिवर क्रोसिंग, सरवाईकर सहित विभिन्न गतिविधियों में संस्थान के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के समाज कार्य विभाग के विद्यार्थी रघु पारीक को सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

अहिंसा दिवस का आयोजन

1 अक्टूबर को संस्थान में गांधी जयन्ती के पूर्व दिवस पर अहिंसा दिवस का आयोजन समारोह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अहिंसा एवं शान्ति विभाग के प्रो. बच्छराज दूगड़ ने की। प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा, प्रो. रेखा तिवारी, डॉ. अनिल धर, डॉ. विवेक माहेश्वरी, डॉ. वीरेन्द्र भाटी, लक्ष्मी सिंघी, भंवरी कंवर, जेठी चौहान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संयोजन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने किया।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना

संस्थान के आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग तथा अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में 25 एवं 26 अक्टूबर को शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में संकाय सदस्यों ने हिन्दी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, औपचारिक शिक्षा आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया। शिक्षा योजना की प्रभारी डॉ. पुष्पा मिश्रा एवं समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बिजेन्द्र प्रधान एवं लक्ष्मण माली का कार्यशाला के संचालन में विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में लाडनूं शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना से जुड़े शिक्षकों ने भाग लिया।

प्रेक्षाध्यान एवं समग्र स्वास्थ्य पर कार्यशाला

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा गंगाशहर में एक दिवसीय प्रेक्षाध्यान एवं समग्र स्वास्थ्य पर कार्यशाला का आयोजन प्रो. मुनिश्री महेन्द्र कुमार के सान्निध्य में किया गया। कार्यशाला में कुल 70 संभागियों ने भाग लिया जिनमें डाक्टर्स भी थे। प्रो. मुनिश्री महेन्द्र कुमार ने वर्तमान शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं के निवारण में प्रेक्षाध्यान की महत्ता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के दौरान विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रताप संचेती ने संभागियों को सम्बोधित किया। सहायक आचार्य डॉ. अशोक कुमार भास्कर ने प्रेक्षाध्यान एवं स्वास्थ्य पर अपना व्याख्यान दिया एवं प्रयोग करवाएं। मुनि पीयुष कुमार ने अनुप्रेक्षा के प्रयोग करवाएं। संभागियों को श्री हंसराज डागा, श्री राजेन्द्र सेठिया, श्री जतन दूगड़, श्री संजय चौरड़िया ने भी सम्बोधित किया।

List of Donors

(01-07-2013 to 31-12-2013)

S.No.	Name of Donor
1.	Ghodawat Foods International , Chipri
2.	Nirmal Sethia, Jaipur
3	Akhil Bhartiya Terapanth Mahila Mandal, Ladnun
4.	Elin Electronics New Delhi
5.	Maha Laxmi Textiles (India), Mumbai
6.	Star Eductional Books Distributors New Delhi
7.	D.P. Agarawala Charitable Trust, Kolkata
8.	Laurel Advisary Services Pvt. Ltd., Kolkata
9.	Deep Charitable Institution, New Delhi
10.	Dr. G. Mohan Lal, Chennai
11.	Pradeep Stainless India Pvt. Ltd., Chennai
12.	Sh. Arvind Jain & Kiran Jain, Indonesia
13.	Ms. Kanchan Devi Khater, Kolkata
14.	Sh. Nirmal Kumar
15.	Sh. P.C. Bardia, Jaipur
16.	Sh. Birender Baid, Singapore
17.	Sh. Praveen Singhavi, Singapore
18.	Ms. Mochhabi Devi Jain, Churu
19.	Sh. Prem Bhai Nirmal Kumar Anchaliya Tindivanam
20.	Sh. Suchi Jain, Bangalore
21.	Sh. Sekhar Chand Jain, Bangalore
22.	Sh. Prakash Kumar Jain, Birpur
23.	Sh. Ashok Kumar Jain, Delhi
24.	Sh. Sanjay Mohnot, Singapore
25.	Sh. Jawari Chand Sanjay Kumar Marlecha, Pune
26.	Sh. Dilip Kumar, Pune
27.	Sh. Vinay Kumar, Pune
28.	Sh. Nirmal Kumar Marlecha
29.	Sh. Ashok Kumar Marlecha
30.	Sh. Mahendra Kumar Marlecha
31.	Sh. Suresh Ketareya, Pune
32.	Sh. Bhevar Lal, Hanumanmal, Bhutoria, Pune
33.	Sh. Khivada Terapanth Sangh
34.	Dr. Anju Jain, Shahpur
35.	Sh. Shubh Karan Sushil kumar Borar, coal Bazar PC. (A.P.)
36.	Sh. Tulsi Ram Amit Kumar Bucha, Pune
37.	Sh. Madan Lal, Pune
38.	Sh. Kamal Jain, Singapore
39.	Sh. Praveen Jain
40.	Sh. Rajroop Kaiserichand, Mumbai
41.	Sh. Sidharaj Singhi, Ranchi
42.	Sh. Deepchand Jetmal Kotadiya
43.	Sh. G. Mohanlal
44.	Sh. Phoolchand Tated
45.	Sh. Madan Lal Dujar, Raipur
46.	Sh. Bhurmal Jetmal Kotadiya
47.	Sh. Anil Lothri, Singapore
48.	Sh. Lokesh Bhai , Ahemdabad
49.	Sh. Methulal Jivanmal
50.	Sh.D. Pareek , Ahemdabad
51.	Sh. K. Anil Kumar Sethiya, Chennai
52.	Dugar Oversea & (P) ltd., New Delhi
53.	Ramesh Balar & Co. Ichalkarangi, Kolahpur
54.	Sh. Amolak Chand Bhansali, Guwahati

S.No.	Name of Donor
55.	Sh. Suresh Dhariwal, Guwahati
56.	Sh. Subash Chand Choraria, Guwahati
57.	Dr. Sevantilal
58.	Sh. S. Sauhas Jain , Lucknow
59.	Sh. Tejraj Punamiya, Chennai
60.	Sh. M. Shanti Lal, Banglore
61.	Sh. Rajesh Daga
62.	Sh. Roshlal Jain
63.	Sh. D. C. Lunawat
64.	Sh. Devraj Pugsiya , Guwahati
65.	Sh. A. Jitendra Mandoth, Chennai
66.	Sh. Sanjay Marlecha, Pune
67.	Sh. Ashok Kumar Ashish Soni
68.	Sh. Sunil Kumar Manish Kumar Soni
69.	Sh. Vijay Raj Ashok Kumar Mutha
70.	Sh. Kolwinder Singh, Rama Mandi, Punjab
71.	Sh. Rakesh Kumar, Rama Mandi, Punjab
72.	Sh. Akhil Bhartia Terapanth Yuvak Parishad, Ladnun
73.	Sh. M.G. Bohora
74.	Sh. Mahaver Chand, Kuldeep Kumar
75.	Sh. Khivraj, Magraj Katareya
76.	Sh. Santosh Kumar, Viki Kumar Katareya, Palavaram
77.	Sh. Gotam Chand, Roop kumar Katareya, Palavaram
78.	Sh. Jugraj Ashok Kumar Daga
79.	Sh. Nemichand Vinod Kumar Daga
80.	Sh. Mahendra Kumar Baid, Chennai
81.	Madan Cable Corporation
82.	Sh. Jugraj Patawari, Chennai
83.	Nishi Rubber Work, Taluk- Gumardipudi
84.	Sh. Pratap Singh Rahul Kumar Singh
85.	Sh. Subhas Chandra Bachhawat
86.	Suresh Eletric Co., Chennai
87.	Sh. Shantilal Kothari, Chennai
88.	Sh. Babulal Mahaveer Chand Bohara , Chennai
89.	Sh. Sumermal, Mehta
90.	Sh. Ugamraj, Bhandari
91.	Ms Shoba Devi Dugad
92.	Sh. J. Asutosh Malhotra
93.	Sh. Praveen Chordiya
94.	Terapanth Yuvak Parished, Chennai
95.	Sh. Pukhraj Sukhan Raj Parmar, Chennai
96.	Sh. S.t. Mahaveer Chand Pipadia, Tamilnadu
97.	Sh. Nirmal, Ahemdabad
98.	Sh. Manakchand, Inder Chand Dosi
99.	Sh. Babulal, Anand Kumar Marlecha, Chennai
100.	Sh. Pukhraj, Mangilal, Pitaliya, Chennai
101.	Sh. Vimal Kumar Sayar Devi Daga, Chennai
102.	Sh. Subodh Sethia , Chennai
103.	Sh. Navratan Ganna, Mumbai
104.	Sh. Vijay Kumar Madanlal Nahar
105.	Sh. T. Jaswant Giriya, Gudiyatham, Chennai
106.	Sh. P.H. Baid
107.	Sh. Pukhraj Kothari
108.	Sh. Vimal K. Sethia , Chennai

स्वतन्त्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया

संस्थान में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। झंडारोहण कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने किया। संस्थान के विभिन्न विभागों एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्र भक्ति गीत प्रस्तुत किये गये। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं समस्त संस्थान परिवार को सम्बोधित करते हुए राष्ट्र धर्म एवं अपने कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

List of Donors

S.No.	Name of Donor
109.	Sh. Jagat Shyam Sukhla
110.	Sh. Pushpa Raj
111.	Sh. Mahonaher Nahar, Chennai
112.	Sh. Babu Lal Bherata
113.	Sh. Babulal V. Mehta
114.	Sh. C. Kushal Raj Sethiya, Chennai
115.	Sh. Praveen Javerilal Marlecha
116.	Sh. Praveen Sethia
117.	Sh. Jai Singh Kolkata
118.	Sh. Nirmal Sethia, Chennai
119.	Sh. Madanlal Semlani, Poona
120.	Sh. Suresh Jain
121.	Sh. Svarup Chand Bhandari
122.	Sh. Tarachand Bihari Lal Shah
123.	Sh. S. Santosh Parmar
124.	Sh. Vinod Bohra C/o Wrist world, Chennai
125.	Sh. Gajendar Sethia
126.	Sh. Pankaj Ji Singhvi
127.	Sh. S. K. Bansal, Delhi
128.	Sh. Gotam Chand Surana
129.	Sh. Rakesh Bhai Jain
130.	Sh. Ramesh Sethia
131.	Sh. Rikhab Dugar
132.	Sh. Manekchand Mukesh Accha, Chennai
133.	Sh. Guda Chhavra
134.	Sh. Hansmukh Jain, Kolkata
135.	Sh. J.L. Baid
136.	Sh. Ramesh Jain, Delhi
137.	Sh. Ajay Ghodavat, Delhi
138.	Sh. Bhavik Shah, Surat
139.	Sh. Bhanvarlal Gogher, Banglore
140.	Sh. M. Shanti Lal, Banglore
141.	Sh. Roshan Nahar
142.	Sh. Amar Chand Sindhe
143.	Sh. Gotam Chand Raj Kumar Sethia
144.	Sh. Vikash Bhansali
145.	Sh. Jagat Shyam Sukhla
146.	Sh. Suresh Derasiya

S.No.	Name of Donor
147.	Sh. Sampat Kumar Mehta, Railmagara
148.	Sh. Mangilal Vinaykiya, Ahemdabad
149.	Sh. J.P. Marlecha
150.	Sh. Dinesh Kumar Naulakha, Kathmandu
151.	Sh. Vikram Sethiya, Chennai
152.	Sh. Gotam Chand Kothari
153.	Sh. Dilip Bothara , Chennai
154.	Sh. Rishabh Dugar, Jaipur
155.	Sh. Ravi Bohara
156.	Sh. Mahavir Jain
157.	Sh. D. Arvind Kumar, Tamilnadu
158.	Sh. Sanjay Daga
159.	Sh. D.C. Lunkad
160.	Sh. Mahavir Jain
161.	Sh. J.K. Baid, Kolkatta
162.	Sh. Babulal Rathore, Mumbai
163.	Sh. P. Lalchand Jain, Chennai
164.	Sh. Gotam Mandot
165.	Sh. Poonam Chand, Banglore
166.	Sh. Mahendra S. Bohra
167.	Sh. Padam Chand Jain
168.	Sh. M.Shanti Lal, Amarchand Sancheti, Banglore
169.	Ms Resham Devi Bhangari
170.	Sh. Pramod Jain
171.	Sh. Mahendra Singh
172.	Sh. Vinay Tater
173.	Sh. Sunil Kumar Naher
174.	Sh. Paras Bafna
175.	Sh. Anil Kumar Jain
176.	Sh. Paresh Chand Jain
177.	Ms Chuki Bai , Banglore
178.	Sh. G. Jaichand Sancheti, Chennai
179.	Sh. Manish Ranka
180.	Sh. Chandra Jain, Ahemdabad

Reaccredited Grade-A by NAAC

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत घोषित

मान्य विश्वविद्यालय

M.A. M.S.W. M.Phil. Ph.D.

B.A./B.Com. B.C.A./B.Lib. B.Ed. M.Ed.

Placement Assistance | Separate Hostels for Male & Female | Scholarship Facility | Internet Facility | Coaching for Competition Exams

विशेषताएँ

• राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा समाजोपयोगी कार्यक्रम • व्यक्तित्व विकास शिविर द्वारा मूल्यपरक शिक्षण एवं प्रशिक्षण • शैक्षिक भ्रमण • राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में संभागिता • महाविद्यालय परिसर में बुक बैंक व्यवस्था उपलब्ध • अंग्रेजी संभाषण एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण जैसे पाठ्यक्रमों में रियायती शुल्क पर प्रशिक्षण • योग्य अनुभवी शिक्षक एवं प्रबुद्ध समणी वर्ग द्वारा विशेष अध्यापन • आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित अंग्रेजी संभाषण एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रयोगशाला लेबोरेटरी • शान्त, सुरक्षित, अनुशासित एवं प्रदूषण मुक्त परिवेश • सभी पाठ्यक्रम यू.जी.सी. एवं भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त • संभाषण, लेखन, खेलकूद, साहसिक एवं रोमांचक खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में विशेष अवसर • समृद्ध एवं विशाल पुस्तकालय की व्यवस्था • छात्रावास एवं जिम की सुविधा • प्राच्य विद्याओं का अध्ययन करने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप देने का प्रावधान • प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रशिक्षण (NET, JRF, CA and CS) • विषयों से सम्बन्धित विशेष कोचिंग कक्षाएं।

नियमित पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए.

• जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन • दर्शन • संस्कृत • प्राकृत • हिन्दी • जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग • क्लीनिकल साइकोलॉजी • अहिंसा एवं शान्ति • राजनीति विज्ञान • समाज कार्य • अंग्रेजी • एम.एड. (उपरोक्त सभी विषयों में पी-एच.डी. सुविधा)

एम.फिल.

• जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन • अहिंसा एवं शांति • प्राकृत एवं जैन आगम

स्नातक पाठ्यक्रम

• बी.ए. • बी.कॉम. • बी.सी.ए. • बी.लिब. • बी.एड. (केवल महिलाओं के लिए)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

• स्टडीज इन जैनिज्म • नेचुरोपैथी • प्रेक्षा योगा थैरेपी • एन.जी.ओ. मैनेजमेण्ट • बैंकिंग • रूरल डेवलपमेण्ट • जेण्डर इम्पॉवरमेण्ट • कॉरपोरेट सोसियल रिस्पोन्सिविलिटी • ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेण्ट • काउन्सलिंग एण्ड कम्युनिकेशन • राजभाषा अध्ययन

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

• प्राकृत • अहिंसा एवं शांति • जर्नलिज्म एण्ड मास मीडिया • कम्प्यूनिकेशन इन इंग्लिश • इन्स्ट्रक्शनल मैथड एण्ड मीडिया • एजुकेशनल साइकोलॉजी • योग एवं प्रेक्षाध्यान

पत्राचार पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

• जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन • शिक्षा • हिन्दी • जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग • अंग्रेजी • अहिंसा एवं शांति

स्नातक पाठ्यक्रम

• बी.ए. • बी.कॉम. • बी.लिब.

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

• अहिंसा प्रशिक्षण • अण्डरस्टेंडिंग रिलिजन • जैन धर्म एवं दर्शन • ह्यूमन राइट्स • जैन आर्ट एंड एस्थेटिक्स • ज्योतिष विज्ञान • प्राकृत • प्रेक्षा लाईफ स्कील

बी.पी.पी. पाठ्यक्रम

वे आवेदक जो 10+2 उत्तीर्ण नहीं हैं अथवा प्राथमिक औपचारिक योग्यता नहीं रखते हैं, लेकिन 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर चुके हों, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बी.पी.पी. परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

फोन : 01581-226110, 224332, 226230 फैक्स : 227472 web : www.jvbi.ac.in e-mail : jvbiladnun@gmail.com